



Hargharpanditji

॥ श्री सत्यनारायण भगवान की आरती ॥

॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री सत्यनारायण भगवान की आरती ॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा।

सत्यनारायण स्वामी, जन-पातक हरणा॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

रत्नजड़ित सिंहासन, अद्भुत छवि राजे।

नारद करत निराजन, घंटा ध्वनि बाजे॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

प्रकट भए कलि कारण, द्विज को दरस दियो।

बूढ़ो ब्राह्मण बनकर, कंचन महल कियो॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

दुर्बल भील कठारो, जिन पर कृपा करी।

चंद्रचूड़ एक राजा, तिनकी विपत्ति हरी॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

वैश्य मनोरथ पायो, श्रद्धा तज दीन्ही।

सो फल भोग्यो प्रभुजी, फिर स्तुति कर लीन्ही॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

भाव-भक्ति के कारण, छिन-छिन रूप धर्यो।

श्रद्धा धारण कीन्ही, तिनको काज सर्यो॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

ग्वाल-बाल संग राजा, वन में भक्ति करी।

मनवांछित फल दीन्हो, दीनन पर कृपा करी॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥

**श्री सत्यनारायण जी की आरती, जो कोई नर गावे।

कहत शिवानंद स्वामी, मनवांछित फल पावे॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा॥